# हिन्दू आक्रोश दिवस

धर्मांश फाउंडेशन और निमित्तेकम

## जयपुर में उठी 'विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड' के गठन की मांग।

निमित्तेकम सोसाइटी और धर्मांश फाउंडेशन ने भारत में हिन्दू शरणार्थियों के सुगम विस्थापन को सुदृढ़ बनाने के लिए 12 अक्टूबर को दशहरा के अवसर पर 'हिन्दू आक्रोश दिवस' मनाया।

इस अवसर पर समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ, ओमेंद्र रत्नू, नीरज अत्री, रमणीक मान, वैभव सिंह, राकेश उत्तराखंडी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

निमित्तेकम सोसायटी और धर्मांश फाउंडेशन ने पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे भारत के पड़ोसी देशों में प्रताड़ित 12,000 से अधिक धार्मिक अल्पसंख्यकों को उनकी दीर्घकालिक वीज़ा की व्यवस्था के साथ भारतीय नागरिकता दिलवा कर इन प्रताड़ित देशों से निकलने में सहायता की है।

## बांग्लादेशी और पाकिस्तानी हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में समाज का जागरण

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप मे पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने इज़राइल का उदाहरण देकर बताया कि जो बहादुर और एकजुट होता है उसके पीछे पूरा विश्व खड़ा होता है, इसलिए ये जरूरी है कि भारत का हिन्दू एकजुट हो और सरकार को मज़बूर करे की वो पाकिस्तान तथा बांग्लादेश ही नहीं, विश्व भर मे जहां भी हिन्दू हैं उनकी सुरक्षा के लिए काम करे और विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड का गठन हो।

## खिलौने का रावण नहीं , सच्चे रावणों को जलाने की घड़ी आ पहुँची है ।

निमित्तेकम और धर्मांश फाउंडेशन के फाउंडर, डॉ ओमेन्द्र रत्नू ने बताया कि, "पिछले कुछ वर्षों में, पाकिस्तान में हिन्दुओं की संख्या 16 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत रह गई है, जबकि बांग्लादेश में हिन्दुओं की संख्या 35 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत रह गई है। इसी प्रकार भारत में हिन्दू 85 प्रतिशत से घटकर 80 प्रतिशत रह गये हैं। सीमा पार, हर दिन लगभग तीन हिन्दू-सिख लड़कियों (बालिकाओं) का उनके घरों से अपहरण कर लिया जाता है। आने वाले 10 वर्षों में, पाकिस्तान और बांग्लादेश में सभी हिन्दू और सिखों को मिटाने की मुहिम जारी है। इन्हें बचाने के लिए हम केंद्र और राज्य सरकार से विस्थापित हिन्दू पुनर्वास बोर्ड बनाने का अनुरोध करते हैं क्योंकि इन तीन करोड़ हिंदुओं के लिए भारत के अलावा कोई देश नहीं बचा है।

# हिन्दू आक्रोश दिवस

धर्मांश फाउंडेशन और निमित्तेकम

## हर दिन लगभग तीन हिन्दू-सिख लड़कियों (बालिकाओं) का अपहरण कर लिया जाता है

गुलाबी रंग में 7 वर्षीय राजकुमारी, 5 वर्षीय प्रवेश, 4 वर्षीय दीपिका अटारी सीमा पार करके पाकिस्तान से भारत आई हैं। निमित्तेकम पाकिस्तान में अपहरण की भयावह समस्या से निपटने के लिए समर्पित है, जहाँ रिपोर्ट बताती है कि हर दिन तीन लड़कियों का अपहरण किया जाता है। रोकथाम और बचाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, निमित्तेकम एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाता है जिसमें जागरूकता बढ़ाना, शिक्षा प्रदान करना और बालिकाओ के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ भागीदारी करना शामिल है।

## भारत के पड़ोसी देशों में प्रताड़ित 12,000 से अधिक धार्मिक अल्पसंख्यकों की मदद की है।

निमित्तेकम सोसाइटी और धर्मांश फाउंडेशन के फाउंडर, जय आहुजा ने बताया कि, "हम विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से इन अल्पसंख्यकों का उत्थान कर रहे है। हमारे प्रोजेक्ट 'पालन' ने जयपुर में ह्यूमन लाइफ फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 120 बच्चों को भोजन और कपड़े जैसी बुनियादी आपूर्ति के साथ-साथ शैक्षिक शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी ली है। इसी तरह, प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर के माध्यम से हमने समाज के वंचित वर्गों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ, विभिन्न रोज़गार और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं।

## इस दीपावली पाकिस्तानी हिंदुओं के जीवन को रोशन करने में हमारी सहायता करें।

**UPI Id**: Dharmansh.foundation@icici
**Banking Name**: Dharmansh Foundation
**Account Type**: Current
**Account Number**: 065005004524
**IFSC Code**: ICIC0000650
**Bank Address**: Vidhyadhar nagar Jaipur
**Website**: www.dharmanshfoundation.org